

9KT सोने की हॉलमार्कगि

[स्रोत: लाइव मटि](#)

चर्चा में क्यों

भारत 9-कैरेट (KT) सोने के आभूषणों हेतु अनिवार्य [हॉलमार्कगि](#) लागू करने के लिये तैयार है। यह कदम कफायती सोने के लिये उपभोक्ताओं की बढ़ती पसंद को देखते हुए उठाया गया है। इस नए वनियमन का उद्देश्य तेज़ी से बढ़ते सोने के बाज़ार के बीचगुणवत्ता सुनिश्चित करना और उपभोक्ताओं की सुरक्षा करना है।

9KT सोने की हॉलमार्कगि अनिवार्य क्यों की जा रही है?

- **बढ़ती उपभोक्ता प्राथमकितार्एँ:** अधिक कफायती सोने के आभूषणों के प्रतबढ़ती पसंद के कारण 9KT सोने की मांग में वृद्धि हुई है, जो उच्च शुद्धता वाले सोने की तुलना में कम महंगा है।
 - सोने की शुद्धता कैरेट में मापी जाती है, सबसे शुद्ध सोना 24 कैरेट का होता है, जिसका अर्थ है कि इसमें कोई अन्य धातु नहीं मिलायी गयी है।
 - जैसे-जैसे कैरेट की संख्या घटती है, यह सोने में अन्य धातुओं, सामान्यतः ताँबे और चाँदी की मौजूदगी को दर्शाता है। उदाहरण के लिये, 18 कैरेट सोने में 75% सोना और 25% अन्य धातुएँ होती हैं।
- **चेन-सुनैचगि की बढ़ती घटनाएँ:** चेन-सुनैचगि के मामलों में वृद्धि ने वनियमिति और प्रमाणिति सोने के उत्पादों की आवश्यकता को बढ़ा दिया है। [राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो \(NCRB\)](#) ने वर्ष 2022 में ऐसे अपराधों में 32.54% की वृद्धि दर्ज की है।
 - हॉलमार्क प्रत्येक आभूषण के लिये एक अद्वितीय पहचान प्रदान करते हैं जिससे चोरी की गई वस्तुओं का पता लगाना आसान हो जाता है। इससे चोरों को रोका जा सकता है क्योंकि चोर को पता होता है कि चिह्निति वस्तुओं का पता लगाना आसान है।

नोट: [वशि्व स्वर्ण परिषद](#) के अनुसार, चीन के बाद भारत वशि्व का दूसरा सबसे बड़ा स्वर्ण उपभोक्ता है तथा कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान मांग 750 टन तक पहुँचने की उम्मीद है। वर्ष 2022 में भारत ने 9.22 बलियन अमेरिकी डॉलर के सोने के आभूषणों का नरियात किया, जो वशि्व के कुल सोने के आभूषणों के नरियात का 8.1% है। सोने के आभूषणों के नरियात के मामले में देश चौथे स्थान पर रहा।

हॉलमार्कगि क्या है?

- **हॉलमार्कगि वस्तुओं में मौजूद बहुमूल्य धातु घटक का आधिकारिक रिकॉर्ड है,** जिसका उपयोग शुद्धता की गारंटी के रूप में किया जाता है
 - इसका उद्देश्य भारत में सोना और चाँदी वर्तमान हॉलमार्कगि योजना के अंतर्गत आते हैं।
 - [हिन्दुस्तान सोनारों की महासंघ \(HISMA\)](#) और [हिन्दुस्तान सोनारों की महासंघ \(HISMA\)](#) ने अनिवार्य किया है कि सभी हॉलमार्क वाले सोने के आभूषणों तथा कलाकृतियों पर 6 अंकों का [हॉलमार्कगि \(HUID\)](#) दर्ज करवाया जाए।
- **BIS (Hallmarking) के तहत** [हिन्दुस्तान सोनारों की महासंघ \(HISMA\)](#) ने अनिवार्य किया है कि सभी हॉलमार्क वाले सोने के आभूषणों तथा कलाकृतियों पर 6 अंकों का [हॉलमार्कगि \(HUID\)](#) दर्ज करवाया जाए।
- **HUID** [हिन्दुस्तान सोनारों की महासंघ \(HISMA\)](#) के तहत [हिन्दुस्तान सोनारों की महासंघ \(HISMA\)](#) द्वारा पंजीकरण प्रदान किया जाता है। BIS प्रमाणिति ज्वैलर्स अपने आभूषणों को किसी भी BIS मान्यता प्राप्त परख और हॉलमार्कगि केंद्र (Assaying and Hallmarking Centres) से हॉलमार्क करवा सकते हैं।
 - [हिन्दुस्तान सोनारों की महासंघ \(HISMA\)](#) HUID नंबर दर्ज करके सोने के आभूषणों की प्रमाणिकता को सत्यापित कर सकते हैं, जो [हिन्दुस्तान सोनारों की महासंघ \(HISMA\)](#) और [हिन्दुस्तान सोनारों की महासंघ \(HISMA\)](#) के बारे में विवरण प्रदान करता है।
- **यदि कोई हॉलमार्क वाली वस्तु** [हिन्दुस्तान सोनारों की महासंघ \(HISMA\)](#) के तहत [हिन्दुस्तान सोनारों की महासंघ \(HISMA\)](#) द्वारा पंजीकरण प्रदान किया जाता है। BIS प्रमाणिति ज्वैलर्स अपने आभूषणों को किसी भी BIS मान्यता प्राप्त परख और हॉलमार्कगि केंद्र (Assaying and Hallmarking Centres) से हॉलमार्क करवा सकते हैं।
- **हॉलमार्कगि ट्रेसेबिलिटी आसान हो जाती है और यह सुनिश्चित होता है कि उपभोक्ता धोखाधड़ी तथा नकली सामान से सुरक्षित रहें।**

नोट: हीरे की शुद्धता को आमतौर पर स्पष्टता (clarity) के रूप में संदर्भित किया जाता है, जो आंतरिक या बाह्य खामियों की उपस्थिति को मापता है।
क्रमशः समावेशन और दोष के रूप में जाना जाता है।

- स्पष्टता (clarity) का निर्धारण करने के लिये, विशेषज्ञ उच्च आवर्धन वाले सूक्ष्मदर्शी तथा पॉवर लेंस के साथ नेत्र दृश्यता का उपयोग करके हीरे की जाँच करते हैं और आंतरिक समावेशन व बाह्य दोषों के आधार पर इसे दोषरहित से अपूर्ण तक के पैमाने पर वर्गीकृत करते हैं।
- कैरेट (carat) वजन की एक इकाई है जिसका उपयोग हीरे जैसे रत्न के वजन को मापने के लिये किया जाता है। जबकि कैरेट सोने के 24 भागों के संबंध में सोने के मशिर धातु की शुद्धता को मापता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

????????

प्रश्न. सरकार की 'संप्रभु स्वर्ण बॉण्ड योजना (Sovereign Gold Bond Scheme)' और 'स्वर्ण मुद्राकरण योजना (Old Monetization Scheme)' का/के उद्देश्य क्या है/हैं? (2016)

1. भारतीय गृहस्थों के पास नषिकरयि पड़े स्वर्ण को अर्थव्यवस्था में लाना
2. स्वर्ण एवं आभूषण के क्षेत्र में FDI को प्रोत्साहित करना
3. स्वर्ण के आयात पर भारत की नरिभरता में कमी लाना

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- सरकार ने वर्ष 2015 में संप्रभु स्वर्ण बॉण्ड योजना (Sovereign Gold Bond Scheme) और स्वर्ण मुद्राकरण योजना (Old Monetization Scheme) की शुरुआत की थी। इन योजनाओं के मुख्य उद्देश्य भारत के गृहस्थों और संस्थानों के पास रखे स्वर्ण को अर्थव्यवस्था में लाना है। **अतः कथन 1 सही है**
- बैंकों से ऋण पर कच्चे माल के रूप में सोना उपलब्ध कराकर देश में रत्न और आभूषण क्षेत्र को बढ़ावा देना। घरेलू मांग को पूरा करने के लिये समय के साथ सोने के आयात पर नरिभरता कम करने में सक्षम होना। **अतः कथन 3 सही है।**
- सोने और आभूषण क्षेत्र में FDI को बढ़ावा देना इन योजनाओं का उद्देश्य नहीं है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

अतः विकल्प (c) सही उत्तर है।